शहद में मलिावट

चर्चा में क्यों?

वज्ञिान और पर्यावरण केंद्र (Centre for Science and Environment) द्वारा की गई एक जाँच से भारत में कई प्रमुख ब्रांडों द्वारा बेचे जाने वाले शहद में चीनी के सरिप की मलिावट के बारे में पता चला है।

- CSE एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो कि मुख्यतः सार्वजनकि हति के वषियों पर अनुसंधान करता है।

प्रमुख बदिु

जाँच- परणिाम:

- वज्ञिान और पर्यावरण केंद्र (CSE) द्वारा कयि गए **परमाणु चुंबकीय अनुनाद (Nuclear Magnetic Resonance)** परीक्षण में 13 में से 10 ब्रांडों के नमूने फेल हो गए।
  - अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत परमाणु चुंबकीय अनुनाद (NMR) परीक्षण में डाबर, पतंजलि, बैद्यनाथ, हतिकारी और एपसि हमिालय जैसे भारत के ब्रांडों के शहद के नमूने फेल हो गए।
- परीक्षण के मुताबकि, शहद का कारोबार करने वाली भारतीय कंपनयिाँ शहद में मलिावट के लयि चीन से संश्लेषति चीनी सरिप (Sugar Syrups) का आयात कर रही हैं।
  - CSE ने अपनी जाँच में चीन के ऐसे कई वेब पोर्टल्स का पता लगाया जो फलों के रस से नरि्मति ऐसे चीनी सरिप का प्रचार कर रहे थे, जसि मलिावट के परीक्षण के दौरान पकड़ना काफी मुश्कलि होता है।
  - चीन की कंपनयिों ने CSE को सूचति कयिा कि भले ही शहद में 50 से 80 प्रतशित तक मलिावट क्यों न की जाए वह शहद फरि भी भारतीय नयिमों के तहत नरि्धारति मानकों पर खरा उतरेगा और परीक्षण में सफल हो जाएगा।
    - मौजूदा भारतीय नयिमों के मुताबकि, शहद के परीक्षण के दौरान यह जाँच की जाती है कि शहद में C4 चीनी (गन्ने से प्राप्त चीनी) या C3 चीनी (चावल से प्राप्त चीनी) के साथ मलिावट की गई है अथवा नहीं।
- ज्ञात हो कि इस प्रकार की मलिावट ने उन मधुमक्खी पालकों की आजीवकिा को भी नष्ट कर दयिा जो शुद्ध शहद बनाते हैं, क्योंकि चीनी-सरिप शहद प्रायः आधे मूल्य पर उपलब्ध हो जाता है।

प्रभाव:

- **रोगाणुरोधी और सूजनरोधी (Antimicrobial and Antiinflammatory) गुण के कारण लोगों द्वारा शहद का अधकि सेवन कयिा जाता है।**
- इस जाँच के अनुसार, बाज़ार में बकिने वाले अधकिांश शहद में चीनी की मलिावट की जाती है। इसलयि शहद के बजाय लोग अधकि चीनी खा रहे हैं, जो कोवडि-19 के जोखमि के साथ ही मोटापे को भी बढ़ाएगा।

परमाणु चुंबकीय अनुनाद

- यह एक ऐसा परीक्षण है जो आणवकि स्तर पर कसिी उत्पाद की संरचना का पता लगा सकता है।
- यह रसायन वज्ञिान की एक वश्लिेषणात्मक तकनीक है जसिका उपयोग नमूने की सामग्री और शुद्धता के साथ-साथ इसकी आणवकि संरचना को नरि्धारति करने तथा गुणवत्ता नयिंत्रण और अनुसंधान में कयिा जाता है।
- भारतीय कानून के तहत ऐसे शहद के लयि NMR परीक्षण आवश्यक नहीं है जसिका वपिणन स्थानीय स्तर पर कयिा जाता है, लेकनि नरि्यात के मामले में यह परीक्षण आवश्यक है।
- हाल के NMR परीक्षण योगज (Additive) का पता लगाने में सक्षम होने के बावजूद मलिावट की मात्रा का पता लगाने में असफल रहे।

आगे की राह

- सुदृण मानकों, परीक्षण और ट्रेसबलिटिी के माध्यम से भारत में इसके प्रवर्तन को मज़बूत करने की आवश्यकता है।
- सरकार को उन्नत तकनीकों का उपयोग कर नमूनों का परीक्षण करवाना चाहिये और इस जानकारी को सार्वजनकि करना चाहिये ताकि उपभोक्ता जागरूक हों और उनके स्वास्थ्य को नुकसान न हो।
- चीन से शुगर सरिप और शहद का आयात बंद कर देना चाहिये तथा अन्य देशों (सरिप लॉन्ड्रगिं) के माध्यम से भी इसके आयात की अनुमति नहीं दी जानी चाहिये।
- आवश्यक है कि कंपनियों द्वारा शहद के पारंपरकि स्रोतों जैसे- मधुमक्खी पालन आदि के माध्यम से शहद की प्राप्ति पर ध्यान केंद्रति किया जाना चाहिये, जिससे मधुमक्खी पालकों को भी लाभ प्राप्त होगा और इस क्षेत्र को एक नया स्वरूप दिया जा सकेगा।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/honey-adulteration